Volume-4, Issue-7, July-2015 • ISSN No 2277 - 8160

Research Paper

Medical Science

कॉनकॉर **(Concor)** आय.सी.डी. पीथमपुर, व जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट **(J.N.P.T.)** मुम्बई

(एक अध्ययन निर्यात व निर्यातक कम्पनियों के संदर्भ में)

डॉ. श्रीमती दीप्ती माहेश्वरी — विभागाध्यक्ष, वाणिज्य आईसेक्ट विश्वविद्यालय, भोपाल

डॉ. श्रीमती संगीता जौहरी — विभागाध्यक्ष, प्रबंधन आईसेक्ट विश्वविद्यालय, भोपाल

विकास कुमार दम्माणी — आईसेक्ट विश्वविद्यालय, भोपाल

ABSTRACT

KEYWORDS :

प्रस्तावना :–

विगत् कुछ वर्षो से इन्दौर, पीथमपुर, औद्योगिक क्षेत्र में शासकीय नीतियों उपयुक्त वातावरण से कई औद्योगिक इकाईयों की स्थापना हुई। जिनमें उच्च कोटी की अत्याधुनिक मशीनों की सहायता से उत्पादन हो रहा है।

उत्पादन की गुणवत्ता निर्यात योग्य होने से इनका निर्यात ही श्रेष्ठ विकल्प है, किन्तु निर्यात विधि व निर्यात हेतु उपयुक्त प्लेटफार्म के अभाव का अनुभव कई औद्योगिक इकाईयों को होता रहा है।

केन्द्र सरकार द्वारा निर्यात हेतु कॉनक्रर **(Concor)**, आय.सी.डी. **(ICD)** पीथमपुर व जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट **(J.N.P.T.)** की स्थापना की गई है। किन्तु निर्यातक इकाईयो को इनका कम ज्ञान है, यदि है तो इनकी कार्यविधि की जानकारी अल्प है साथ ही जन सामान्य को भी इनका ज्ञान कम है।

अतः निर्यातक इकाइयों को, जनसामान्य को इनका परिचय देना वनिर्यात इकाइयो पर इनक प्रभाव का अध्ययन है।

क्रानकर – कन्टेनर कारपोरेशन ऑफ इंडिया भारतीय कन्टेनर निगम लिमिटेड

स्वतन्त्रता के पश्चात भारत का आर्थिक विकास तीव्रगति से हुआ है औद्योगिक उत्पादन में तेजी से वृद्धि हुई है। कच्चा माल, तैयार माल के सड़क परिवहन में अनेक प्रकार की कठिनाईयॉ आती है। अतः माल के परिवहन हेतु ऐसे साधन की आवश्यकता अनुभव की जाने लगी, जो कि तीव्र, सुरक्षित व सुविधाजनक हो, साथ ही अंतराष्ट्रीय व्यापार में सहायता करे, सड़क परिवहन की तुलना में माल पर अधिक ध्यान देने वाला हो, साथ ही कोयला, लोहा, तैयार स्टील, पेट्रोलियम पदार्थ, सीमेन्ट, अनाज आदि का परिवहन तीव्र व सुरक्षित ढंग से करे, साथ ही सुदूर क्षेत्रो में तक फैले रेल नेटवर्क का उपयोग औद्योगिक प्रगति में हो सके।

उपरोक्त सभी कारणो से औद्योगिक देशों के समान कन्टेनरो में परिवहन की आवश्यकता अनुभव होने लगी। इसी के परिपेक्ष्य में भारत कन्टेराइजेशन मल्टी माडल परिवहन की शुरूआत 1966–67 में भारतीय रेलवे द्वारा की गई थी। भारतीय रेलवे ने घरेलु माल परिवहन हेतु इसका प्रारम्भ किया था, इसे भारतीय रेल कन्टेनर सेवा के नाम से जाना जाता था।

प्रथम वर्ष में भारतीय रेल द्वारा 3105 टन माल का परिवहन कन्टेनरो के माध्यम से किया था। जो निरन्तर बढ़कर 1986 में 400 लाख टन व 2014 में 2400 लाख टन अनुमानित कन्टेनर के महत्व को देखते हुए भारत सरकार ने रेल विभाग के अंतर्गत मार्च 1988 में कन्टेनर कारपोरेशन ऑफ इंडिया की स्थापना की गई। इसकी स्थापना का उद्देश्य देश में बहुउद्देशीय कन्टेनर ट्रांसपोर्ट सेवा उपलब्ध कराना व इसके विकास हेतु कार्य करना था।

इसकी स्थापना के प्रमुख उद्देश्य थे –

1. देश के आयात–निर्यात असन्तुलन की स्थिति दूर करने का प्रयास करना।
2. कन्टेनर के माध्यम से अंतराष्ट्रीय व्यापार बढ़ाने का प्रयत्न करना।
3. सड़क परिवहन पर होने वाले ईधन खर्च में कमी लाना, क्योंकि देश के आयात बिल का 70: भाग विदेशो में मंहगे पेट्रोलियम पदार्थ पर व्यय हो जाता है।
4. सड़क परिवहन से होने वाले प्रदुषण में कमी लाना।
5. सस्ते रेल परिवहन को मंहगे सड़क परिवहन की तुलना में बढ़ावा देना।

नवम्बर 1989 में क्रानकॉर ने सात अंतराष्ट्रीय कन्टेनर डिपो (I.C.D.)।

Inland Container Deposit के माध्यम से अपना कार्य प्रारम्भ किया।

I.C.D. की स्थापना भारत में निम्न स्थानो पर की गई ये स्थान है

1. बैगलोर 3. अमीनगांव 5. अनापर्तित 7. गुवाहटी
2. लुधियाना 4. गुन्टुश्र आंध्रपेदश 6. चिराला

वर्तमान में 61 I.C.D. क्रॉनकॉर के अंतर्गत कार्यरत है।

I.C.D. पीथमपुर

कन्टेनर के माध्यम से परिवहन का पूर्ण लाभ प्राप्त सकता है जब माल उत्पत्ति क्षेत्र या ढुलाई उत्पत्ति क्षेत्र पर कन्टेनर परिवहर सेवा उपलब्ध हो, इसी तथ्य को ध्यान रखकर भारत सरकार ने अन्तदेशीय कन्टेनर डिपो की स्थापना की, इन्हे शुष्क बंदरगाह (Dry Port)भी कहते है।

I.C.D. मुख्यतः निम्न सेवाए देते है

1. कन्टेनरो का रखरखाव व माल के अस्थायी भंडारण की सुविधा उपलब्ध करवाना।

2. शीघ्र नष्ट होने वाले माल के परिवहन हेतु शीत–कन्टेनर (Refrigeration Container) व हानिकारक पदार्थो के परिवहन हेतु विशेष सुविधा उपलब्ध करवाना।

3. कन्टेनवर्स की प्राप्ति करना, उनकी डिलेवरी संबंधित इकाईयो को देने की प्रक्रिया रखना, परिवहन की सूचना रखना और प्रमुख उद्देश्य है।

4. कन्टेनर्स क्लेरियग सुविधा देना, हानिकारक पदार्थो के कन्टेनर व शीत कन्टेनर के उपयोग पूर्व भलीभांति उनकी जांच करना।

5. कन्टेनर की मरम्मत सुविधा उपलब्ध करवाना।

I.C.D. पीथमपुर की स्थापना 1994 में अत्यंत छोटे रूप से हुई थी। I.C.D. पीथमपुर म.प्र. के औद्योगिक हृदय में स्थित है यह इंदौर से 45 कि.मी. सुदूर स्थित है यह 17 एकड क्षेत्र में सभी आधारभुत सेवाए उपलब्ध है। I.C.D. पीथमपुर से सभी प्रमुख बंदरगाह जैसे J.N.P.T. मुम्बई व Nshava Sheva (MSICT) हेतु कन्टेनर सेवा उपलब्ध है साथ ही सहार अंतराष्ट्रीय हवाई अड्डे हेतु एयरकार्गो की सभी सुविधाए मौजुद है।

I.C.D. पीथमपुर, इन्दौर, देवास, मंडीद्वीप, भोपाल, नागदा, घाटा बिल्लौद, धामनोद, सांरगपुर, रतलाम, पीलूखेडी आदि औद्योगिक क्षेत्र की निर्यातक इकाइयो को निर्यात में सुविधा देता है।

I.C.D. पीथमपुर से 12000 कन्टेनर प्रतिवर्ष निर्यात हो रहा है। इसे बढ़ाकर आवश्यकतानुसार 20000 कन्टेनर तक किया जा सकता है, यदि इन क्षेत्र का निरन्तर विकास हो गया तो शीघ्र ही यह 2000 कन्टेनर के निर्यात के आंकड़े को छू लेगा।

यहां मिनी कस्टम हाऊस की स्थापना की गई है, और सभी आवश्यक कस्टमर सुविधाएं उपलब्ध करवाई गई है।

निर्यात हेतु सभी आवश्यक योजना जैसे – DEEC, States, Holder, Depts, Draw, Back, Dfrc, Focus Market, Target Plus आदि उपलब्ध है।

I.C.D. पीथमपुर का निरन्तर पयवेक्षण करके यह निश्चित किया जाता है कि कस्टम क्लीरेयेन्स ओर सभी आवश्यक निर्यात प्रक्रिया शीघ्र व सुचारू रूप से पूर्ण हो सके।

क्रानकर के माध्यम से आय.सी.डी. पीथमपुर से होने वाले प्रमुख निर्यात

भारी मशीने	वाणिज्यिक वाहन
वाहन इंजन व अन्य पुर्जे	दो पहिया वाहन
लौह उत्पाद	कृषि क्षेत्र
स्त्रील	
ट्रेक्टर आदि	
सुती कपड़े	

पोलिस्टर कपड़े

वाहन के गियर बाक्स

क्रानकर के माध्यम से आय.सी.डी. पीथमपुर की प्रमुख निर्यात कम्पनिया

प्रमुख निर्यातक कम्पनिया

स्अील टयूब ऑफ इंडिया

एल एड टी केस

आयशर मोटर्स

कपारो लिमिटेड

आय.सी.डी. पीथमपुर से निर्यात राशि क्रानकर के माध्यम से

वर्ष	निर्यात	निर्यात का प्रतिशत (कुल से)
2014.15	0.01017 बिलियन डालर	0.868321:

J.N.P.T. जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट मुम्बई।

J.N.P.T. की स्थापना मई 26.1989 को गई थी। वर्तमान में J.N.P.T. अपना रजत जयन्ती वर्ष मना रहा है। श्रण्छण्च्ण्ज् ने अपनी सफलता के रिकार्ड तोड 25 वर्ष पूरे कर लिये है। देश के निर्यात इतिहास में इसका नाम सर्वोपरि स्थान पर है। भारत के कन्टेनर के माध्यम के होने वाले वाले व्यापार का 60% भाग J.N.P.T. के माध्यम से होता है।

विश्व में कन्टेनर के माध्यम से होने वाले बंदरगाह व्यापार में विश्व से इसका प्रथम 100 में 24वां स्थान है। J.N.P.T. ने 2014 में 4.467 मिलियन ज्मने व 63.80 मिलियन टन का निर्यात किया है।

J.N.P.T. के माध्यम से निर्यात व्यापार निर्यातक को नया सुविधाजनक अनुभव उपलब्ध करवाता है। अपनी उन्नत सुविधाओं के माध्यम से J.N.P.T. में वर्ष 2014 के लिये 10 करोड Ten's (1 रेल कन्टेनर बाक्स त्र 5 टन, 3 रेल कन्टेनर बाक्स त्र 1 ज्न के समान) का लक्ष्य निर्धारित किया है।

प्रचुर आदेश, विश्वस्तरीय आधारभूत संरचना, उन्नत तकनीके, सुविधाओं व 23 रेल कन्टेनर हाऊस स्टेशन के कारण J.N.P.T. आज विश्व का प्रमुख बंदरगाह है। देश के सभी I.C.D. से यह जुड़ा हुआ है।

J.N.P.T. की स्थिति का विवरण निम्न है

कन्टेनर लदान क्रेन्द्रो की संख्या = 3

कन्टेनर लदान क्रेन्द्रो की गहराई (मी. मे)

प्रथम केन्द = 3

द्वितीय केन्द्र = 13.5 मीटर

तृतीय केन्द्र – 13.5

कन्टेनर लदान केन्द्र की लम्बाई = 680 मीटर

माल परिवहन जहाज मार्ग = आगमन 12 मीटर

निर्गमन 12.5 मीटर

माल लदान क्षेत्र पहुंच मार्ग = 4 मार्ग, प्रत्येक मार्ग, 14.5 मीटर चौडा

J.N.P.T. की संग्रह क्षमता

J.N.P.T. में 23 थाई निर्मित है प्रत्येक में RTGC (Rubber tyred Gantry Crane) की सुविधा है यह सामान्य कन्टेनरो हेतु है इसके अलावा शेड साइडिंग व रेल साइडिंग की भी सुविधा है।

J.N.P.T. द्वारा निम्न बातो पर बल दिया जा रहा है

- प्रति घण्टे क्रेन द्वारा 15 आयटम (वस्तुओं) को हस्तांतरित किया जाय
- यह कार्य निजी कम्पनियो या स्वयं श्रण्छण्च्ण्ज् द्वारा सम्पादित हो।

J.N.P.T. अन्य तथ्य

जे.एन. पी.टी. पर द्रव्य परिवहन हेतु दो प्लेटफार्म है जो कि भारत पेट्रोलिय लिमिटेड व इन्डियन आईल कारपोरेशन द्वारा निर्मित है। इनकी क्षमता 5.5 मिलियन टन प्रति वर्ष है। भारत के कन्टेनर द्वारा निर्यात का 60: जे.एन.पी.टी. के द्वारा होता है।

J.N.P.T. भविष्य की योजनाए

- मल्टीकलर लाजिस्टिक पार्क का निर्माण व विकास
- बंदरगाह पर चौथे टर्मिनल का विकास
- कन्टेनर हेन्डलिंग हेतु उत्तर में 330 मीटर नहर का निर्माण इससे क्षमता 10 मिलियन टन तक जायेगी।
- मुख्य चैनल के गहरीकरण का कार्य
- बंदरगाह तक पहुंचने वाले सड़क मार्ग का निर्माण
- पार्किंग प्लाजा का निर्माण 22 हेक्टेयर क्षेत्र में किया जा रहा है।

विषय पर पूर्व प्रकाशित शोध (Review)

निर्यात को बढ़ावा देने हेतु समय–समय पर अनेक शासकीय नियम, योजनाएं बनती रही, जैसे कम मूल्य पर इकाइयो की स्थापना हेतु भूमि, उत्पादित वस्तु पर करो में कमी, आधारभुत संरचना जैसे सड़के, बिजली, पानी आदि की सुविधाएं।

निर्यात में कमी के कारणो पर पर्याप्त मात्रा शोधकार्य हुआ परन्तु निर्यात कार्य में सुविधा हेतु निर्यात माल के शीघ्र सुरक्षित, सस्ते परिवहन को बढ़ावा देने हेतु संस्थाओं पर कोई शोधकार्य अत्यंत अल्प है, साथ ही इन संस्थाओं का उनपर प्रभाव का अध्ययन, शोधकार्य लगभग ना के बराबर है क्योंकि इनकी जानकारी निर्यातक इकाइयो व जनसामान्य को नहीं के समान है।

पूर्व में किया गया शोध कार्य निम्नलिखित है

स.क्र.	शोध कार्य	शोधकर्ता
1.	कन्टेनर ट्रेन आपरेटर्स इन इन्डिया समस्याएं व विवरण	सुश्री रचना गंगवार श्री जी रघुराम
2.	एक्सपोर्ट डाक्युमेन्टेशन लाजिस्टि एन्ड सप्लाई चेन मेनेजमेन्ट	श्री ऋषि श्रीवास्तव
3.	लेबर वर्क अंडर माइनस टेक्नीकल एंड नॉन टेक्नीकल एड आई.सी.डी. पीथमपुर	श्री रामेश्वर तिवारी

उद्देश्य (Objective) :–

- जनसामान्य को कॉनकॅर, आई.सी.डी. पीथमपुर व जे.एन.पी.टी. के विषय में जानकारी देना।
- निर्यातक इकाइयो को उपरोक्त संस्थाओं के विषय में जानकारी देना।
- निर्यातको को निर्यात हेतु प्रोत्साहित करना।
- भविष्य की योजना निर्माण हेतु सुचनाएं देना।

शोध अध्ययन की विधि (Research Methodology)

प्रस्तुत अध्ययन मुख्य रूप से द्वितीयक संमको पर आधारित है अवलोकन व साक्षात्कार विधि का भी आवश्यकतानुसार प्रयोग किया है, कॉनकॅर, आई.सी.डी.पीथमपुर व जे.एन.पी.टी. द्वारा प्रकाशित संमको व सूचनाओं का विश्लेषण कर उपयोग किया गया है।

उपसंहार (Conclusion)

भारत का निर्यात व्यापार आयात से कई गुना कम है निर्यात कैसे किया जाता है। निर्यात में कौनसी संख्याए सम्मिलित होती है ? संस्थान क्या कार्य करती है ? उनका कार्य कैसा है आदि के विषय में सामान्य निर्यातक व जनसामान्य को कम ज्ञान है संस्थाओं का निर्यात व्यापार में महत्व स्थान क्या है ? इनका संस्थाओं का निर्यात पर क्या प्रभाव पड़ता है ? आदि की जानकारी ही इस शोध पत्र का उद्देश्य है।

REFERENCES पुस्तक 1 वैज्ञानिक सामाजिक अनुसंधान || 2 रिसर्चमेथडोलाजी || 3 क्रोनकर, आय.सी.डी. व जे.एन.पी.टी. || 4 की वार्षिक रिपोर्ट (प्रतिवेदन) || 5 समाचार पत्र पत्रिकांए || 6 सम्मानीय अधिकारी व कर्मचारीगण || 7 I.C.D. पीथमपुर || लेखक 1 डॉ. एस.के. सिंह || 2 डॉ. वंदना बोहरा